नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 256
दि. 17.01.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बीएमसी चुनाव ने रचा इतिहास 45 साल बाद भाजपा-शिंदे शिवसेना की महायुति गठबंधन ने हासिल किया प्रचंड बहुमत

ठाकरे ब्रदर्स क्लीन बोल्ड

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति में बृहन्मुंबई महानगर पालिका चुनाव 2026 ने इतिहास रच दिया। 45 साल बाद भाजपा और एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत हासिल किया। ठाकरे परिवार की पकड़ वाली बीएमसी में इस बार बीजेपी ने 115+ सीटों पर कब्जा जमाया, जो विकास, हिंदुत्व और महिला-केंद्रित योजनाओं की जीत मानी जा रही है। लेकिन क्या राज्य सरकार की 'लाड़की बहिन योजना' के ₹1500 की किस्त ने महिला वोटर्स को प्रभावित किया? क्या यह चुनाव से ठीक पहले का 'मास्टरस्ट्रोक' था? और ठाकरे ब्रदर्स (उद्धव-राज) की जोड़ी क्यों क्लीन बोल्ड हो गई?

बीएमसी चुनाव 15 जनवरी 2026 को हुआ, जहां 227 वार्डों के लिए 52.94% मतदान दर्ज हुआ। नतीजे 16 जनवरी को आए, और महायुति गठबंधन (बीजेपी + शिंदे शिवसेना + एनसीपी) ने 115+ सीटें जीतीं, जो बहुमत (114 सीटें) से ज्यादा है। बीजेपी अकेले 92+ वार्ड्स पर जीती, जबकि शिंदे शिवसेना 26+ पर। यह 1977 के बाद पहली बार है जब बीजेपी-केंद्रित गठबंधन ने बीएमसी पर कब्जा किया - 45 साल पहले शिवसेना (बाल ठाकरे के नेतृत्व) ने यहां प्रभुत्व जमाया था, जो 2026 तक उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) तक चला।

कुंजी फैक्टर्सः बीजेपी की जीत में विकास प्रोजेक्ट्स (कोस्टल रोड, मेट्रो), हिंदुत्व और महिला-केंद्रित योजनाएं अहम रहीं। मुंबई में महिलाएं कुल वोटर्स का 47% हैं, और महायुति ने उन्हें टारगेट किया। बीएमसी का बजट 74,400 करोड़ रुपये है, जो अब महायुति के हाथों में आएगा।

ट्रेंड्सः एग्जिट पोल्स (एक्सिस माई इंडियाः महायुति 131-151) सही साबित हुए। ठाकरे गुट (यूबीटी + एमएनएस) 58-68 पर सिमट गया, जबकि कांग्रेस 10-12 पर। यह जीत महाराष्ट्र की 29 नगर महापालिकाओं में महायुति की स्वीप का हिस्सा है, जहां उन्होंने 22+ में जीत दर्ज की।

लाडकी बहिण योजना ₹1500 की किस्त का 'कमाल'?

महाराष्ट्र सरकार की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना' ने चुनाव में बड़ा रोल निभाया। यह योजना गरीब महिलाओं को हर महीने ₹1500 की मदद देती है, और लगभग 1 करोड़ महिलाएं इससे लाभान्वित हैं। चुनाव से ठीक एक दिन पहले (14 जनवरी 2026) दिसंबर 2025 की ₹1500 की किस्त लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर की गई, जो मकर संक्रांति के मौके पर 'सौगात' बताई गई। लेकिन जनवरी 2026 की किस्त को चुनाव आयोग ने रोका, क्योंकि यह आचार संहिता का उल्लंघन था।

विवाद की जड़ः यूबीटी नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि यह 'चुनावी रिश्वत' है, जो महिला वोटर्स को प्रभावित करने के लिए किया गया। कांग्रेस महासचिव संदेश कोंडविलकर ने राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की, कहते हुए कि 'सामूहिक सरकारी रिश्वत' है और आचार संहिता का उल्लंघन। सरकार ने पहले दिसंबर और जनवरी की दो किस्तें (₹3000) देने की घोषणा की थी, लेकिन आयोग ने जनवरी की एडवांस किस्त रोकी।

आयोग का फैसलाः मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल की रिपोर्ट के बाद आयोग ने स्पष्ट किया कि 'सतत योजना' (जैसे संजय गांधी निराधार योजना) जारी रह सकती है, लेकिन नए लाभार्थी या एडवांस पेमेंट नहीं। दिसंबर की ₹1500 दी गई, लेकिन जनवरी की रोकी गई।

प्रभावः सर्वे बताते हैं कि योजना ने महिला वोटर्स (69% अनडिसाइडेड) को महायुति की तरफ झुकाया। मुंबई में महिलाओं का टर्नआउट ऊंचा रहा, और महायुति को 44% महिला सपोर्ट मिला। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि यह 'कमाल' बीजेपी की 45 साल पुरानी जीत का एक कारण है।

उद्धव और राज ठाकरे ने चुनाव से पहले गठबंधन किया, लेकिन 'मराठी मानुष' का नारा फेल हो गया। यूबीटी + एमएनएस 58-68 सीटों पर सिमट गए, जो 2017 के 84+ से कम है। ठाकरे ब्रदर्स की जोड़ी को 'क्लीन बोल्ड' इसलिए कहा जा रहा है क्योंकिः

विभाजन का नुकसानः शिवसेना स्प्लिट (शिंदे वर्सेज उद्धव) ने वोट बांटे। शिंदे गुट ने मराठी वोटर्स (37%) को विकास पर जोड़ा, जबकि ठाकरे अस्मिता पर अटके।

महिला वोट्सः योजना ने महिलाओं को महायुति की तरफ खींचा, जहां ठाकरे कमजोर पड़े।

युवा और लोकल इश्यूजः जन वोटर्स (18-29 साल) ने अस्मिता से ज्यादा सड़क, पानी, भ्रष्टाचार पर फोकस किया।

रिजल्टः ठाकरे परिवार की 30+ साल की सत्ता खत्म; पहली बार बीजेपी मेयर बना सकती है।

डीप एनालिसिसः क्या ₹1500 ने वाकई कमाल किया?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि लाड़की बहिन योजना ने महिला वोटर्स को प्रभावित किया, लेकिन जीत के अन्य फैक्टर भी थे - जैसे मोदी-फडणवीस की इमेज, शिंदे की मराठी अपील और ठाकरे की फूट। विवाद के बावजूद, आयोग ने योजना को 'सतत' माना, जो सही था। लेकिन चुनाव से पहले ट्रांसफर को 'टाइमिंग का कमाल' कहा जा रहा है। अगर विपक्ष ने इसे ज्यादा उठाया होता, तो शायद नतीजे अलग होते। कुल मिलाकर, 45 साल बाद बीजेपी का 'बम-बम' विकास और महिला सशक्तिकरण का नतीजा है।

महाराष्ट्र सियासत का भविष्य

बीएमसी 2026 ने साबित किया कि महाराष्ट्र में महायुति का दौर है, जहां लाड़की बहिन योजना जैसी स्कीम्स ने महिला वोटर्स को जीता। ठाकरे ब्रदर्स की हार से एमवीए कमजोर हुआ, लेकिन कांग्रेस की कुछ जीतें (जैसे लातूर) से विपक्ष जिंदा है। आने वाले समय में मुंबई के विकास पर महायुति का फोकस होगा, लेकिन विवादित योजनाओं पर नजर रखनी होगी।

भारत के स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी पर पीएम मोदी का भरोसा, दुनिया में नंबर वन बनने की अपील की

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्टार्टअप इंडिया के 10 पूरे होने पर भारत के उद्यमियों से अगले 10 साल में इसे दुनियाभर में नंबर वन बनाने की अपील की. इसके साथ, ही उन्होंने एआई को भी पूरी दुनिया में फैलाने की बात कही है. दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने स्टार्टअप्स से मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च बढ़ाने पर जोर दिया. इस रिपोर्ट में पढ़ें कि स्टार्टअप और एआई से संबंधित कौन-कौन सी बातें कहीं हैं?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत को अपनी स्टार्टअप कंपनियों की इनोवेशन कैपिसिटी और आत्मविश्वास पर पूरा भरोसा है. उन्होंने कहा कि आने वाले 10 साल में देश को वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप रुझानों और तकनीक में नेतृत्व करना चाहिए. 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के 10 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से इनोवेशन-ड्रिवन इकॉनमी की ओर बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि जो देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में आगे रहेगा, उसे भविष्य में कंपीटेटिव बढ़त मिलेगी. उन्होंने स्टार्टअप्स से अपील की कि वे एआई समेत उभरती तकनीकों में निवेश बढ़ाएं और दुनिया की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समाधान विकसित करें.

स्टार्टअप और तकनीक में नेतृत्व करे भारत

कार्यक्रम में मौजूद स्टार्टअप फाउंडर्स और उद्यमियों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि स्टार्टअप सिर्फ कारोबारी मॉडल तक सीमित न रहें, बल्कि नए विचारों, समस्याओं के समाधान और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के विकास पर फोकस करें. प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि आने वाले 10 सालों में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करे.' उन्होंने दोहराया कि उन्हें देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम, युवाओं के साहस, आत्मविश्वास और नवाचार क्षमता पर पूरा भरोसा है.

मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च पर बढ़े फोकस

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इस बात पर विशेष जोर दिया कि अब स्टार्टअप फर्मों को मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर अधिक ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि आज किया गया रिसर्च ही भविष्य में बौद्धिक संपदा बनेगा और यही किसी भी देश की असली ताकत होती है.

खेल प्रतिभाएं तराशें शिक्षण संस्थान : योगी आदित्यनाथ

- पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

- मुख्यमंत्री का आ'ान, किसी एक खेल को गोद लें विश्वविद्यालय-महाविद्यालय

- मुख्यमंत्री योगी ने कहा, खेल गतिविधियों को बढ़ाने से नशे से दूर रहेंगे युवा

- योगी ने कहा, पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश में दिख रही नई खेल संस्कृति

- मैच देखकर बढ़ाया मुख्यमंत्री ने महिला खिलाड़ियों का उत्साह

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आ'ान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। युवा खेलेगा तो खिलेगा, और यही युवा देश को आगे बढ़ाने में, 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में योगदान देगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है।

प्रधानमंत्री मोदी की खेलों में अपार रुचि

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों में देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर बढ़ते जनविश्वास की पुष्टि है बीएमसी चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत : भाजपा

नयी दिल्ली, (जीएनएस)।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र के शहरों के नगर निगम चुनावों में महायुति और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली ऐतिहासिक सफलता को पीएम मोदी के नेतृत्व पर जनता के बढ़ते विश्वास की अभिव्यक्ति बताया है। पार्टी के महासचिव तरुण चुघ और प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी नेयह दावा भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चुनावी नतीजों पर किया। श्री त्रिवेदी ने कहा कि बीएमसी जैसे देश और संभवतः एशिया के सबसे बड़े नगर निगम में भाजपा, महायुती और राजग को मिली प्रचंड जीत यह दशार्ती है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पार्टी की स्वीकार्यता लगातार

उपराष्ट्रपति ने ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के स्पीकर से मुलाकात की

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली स्थित संसद भवन में ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के

स्पीकर लॉर्ड मैकफॉल ऑफ अलक्लुइथ पीसी के साथ सौहार्दपूर्ण और सार्थक बैठक की। यह वार्ता 14 से 16 जनवरी, 2026 तक भारत में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) के दौरान हुई।

राज्यसभा में स्पीकर का स्वागत करते हुए उपराष्ट्रपति ने इस सम्मेलन में उनकी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

किसानों के लिए ऐतिहासिक सुधारः केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नए 'सीड एक्ट' की दी जानकारी

नकली बीजों पर होगी सख्त कार्रवाई, परंपरागत बीज प्रणाली बनी रहेगी सुरक्षित- श्री शिवराज सिंह

नकली बीज की समस्या से किसानों को मिलेगी पूरी राहत- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

अब घटिया बीज बेचने वालों को 30 लाख रुपए तक जुमार्ना और कड़ी सजा का प्रावधान प्रस्तावित - श्री शिवराज सिंह

ट्रेसिबिलिटी लागू होते ही नकली या खराब बीज की पहचान तुरंत हो जाएगी, ट्रेसिबिलिटी सिस्टम से बढ़ेगी पारदर्शिता- श्री शिवराज सिंह

हर सीड कंपनी का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा, कोई भी अनधिकृत विक्रेता बीज नहीं बेच पाएगा- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मीडिया से बात करते हुए नए सीड एक्ट (रीी अू३ 2026) की विशेषताओं और उसके किसानों पर होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसानों की सुरक्षा, बीज की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक कदम है।

'हर बीज की पूरी कहानी अब किसानों तक पहुँचेगी'

मीडिया के सवालों के जवाब में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब देश में बीज की ट्रेसिबिलिटी की व्यवस्था स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया, 'हमने कोशिश की है कि ऐसा सिस्टम बने, जिसमें यह पूरा पता चल सके कि बीज कहां उत्पादित हुआ, किस डीलर ने दिया और किसने बेचा। हर बीज पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन करते ही किसान यह जान सकेगा कि वह बीज कहां से आया है।

लोकतांत्रिक संस्थाएँ तभी सशक्त और प्रासंगिक होंगी, जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी और जनता के प्रति जवाबदेह हों: लोक सभा अध्यक्ष

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 16 जनवरी 2026: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुरुवार को उद्घाटित राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों का 28वाँ सम्मेलन (सीएसपीओसी) आज लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक जन-केंद्रित बनाने की नवीकृत प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ। दो-दिवसीय इस सम्मेलन के समापन सत्र में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने समापन संबोधन दिया। समापन सत्र के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ने 29वें सीएसपीओसी की अध्यक्षता यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष माननीय सर लिंडसे होयल को सौंपी तथा लंदन में आयोजित होने वाले अगले सीएसपीओसी की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ तभी सशक्त और प्रासंगिक बनी रह सकती हैं जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी और जनता के प्रति जवाबदेह हों। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता निर्णय-प्रक्रिया में खुलेपन को सुनिश्चित कर जनता के विश्वास को बढ़ाती है, जबकि समावेशन यह सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्येक आवाज, विशेषकर समाज के हाशिये पर खड़े लोगों की सुनी जाए और उसका सम्मान हो। उनके अनुसार, ये सिद्धांत मिलकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता को बनाए रखते हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव - 2026 को संबोधित किया

दिल्ली में देश के अलग-अलग किस्मों के बाँस से सुसज्जित सुंदर प्राकृतिक स्थान बाँसेरा पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहा है

महाकवि कालिदास जी ने भारतवासियों के लिए कहा था - 'उत्सवप्रियाः खलु मनुष्याः', यानी भारत के लोग उत्सवप्रिय होते हैं

आजादी के आंदोलन में देशवासियों ने उत्तरायण के दिन भारी संख्या में 'Simon Go Back' लिखी पतंगें उड़ाकर साइमन कमीशन का विरोध किया था

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 8-11 जनवरी तक पूरे देश ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया, आगामी एक वर्ष देश सोमनाथ स्वाभिमान वर्ष मनाया जाएगा

16 बार हमलों के बाद भी गगनचुंबी ध्वजा के साथ विद्यमान सोमनाथ मंदिर यह बताता है कि विध्वंस करने वालों से निर्माण करने वालों की शक्ति बहुत बड़ी होती है

हमला करने वाले मिट गए, लेकिन सोमनाथ मंदिर सम्मान के साथ उसी स्थान पर खड़ा है

सोमनाथ मंदिर सनातन संस्कृति की अजरता-अमरता का प्रतीक है

गृह मंत्री ने देशवासियों, विशेष रूप से किसानों को मकर संक्रांति, पोंगल, लोहड़ी, माघ बिहू और उत्तरायण की

शुभकामनाएँ दीं

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव - 2026 को संबोधित किया। इस अवसर पर दिल्ली के उप-राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने देशभर के सभी लोगों, विशेष रूप से किसानों, को मकर संक्रांति, पोंगल, लोहड़ी, माघ बिहू और उत्तरायण की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उत्तरायण का पर्व पूरे देश में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। यह पर्व इसलिए खुशी का पर्व है क्योंकि हमारा ऋतु चक्र और हमारा जीवन असीम ऊर्जा के स्रोत भगवान सूर्यनारायण पर निर्भर होता है। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास जी ने भारतवासियों के लिए कहा था - 'उत्सवप्रियाः खलु मनुष्याः', यानी भारत के लोग उत्सवप्रिय होते हैं। हर ऋतु में देश के अलग-अलग हिस्सों में उत्सवों का आयोजन किया जाता है। हम उत्सवों के माध्यम से पूरे समाज को एकजुट करके आगे बढ़ने की सोच रखते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि पतंगोत्सव को सतत प्रयासों से और अधिक लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पतंगोत्सव देश की जनता को दिल्ली से जोड़ेगा और आगे चलकर यह पूरे देश का उत्सव बन सकता है। उन्होंने कहा कि पतंगोत्सव को दिल्ली और समूचे देश में विस्तार देने तथा दिल्ली के पतंगोत्सव को इसका केन्द्र बनाने के लिए एक समिति गठित करनी चाहिए, जो इसे लोकप्रिय बनाने और इसमें जनभागीदारी बढ़ाने के पहलुओं पर काम करे। उन्होंने कहा कि अगला पतंगोत्सव ऐसा हो जिससे इस उत्सव का स्थान देश और दुनिया के प्रमुख पतंगोत्सवों में अग्रणी स्थानों में शामिल हो।

श्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में देश के अलग-अलग किस्मों के बाँस से सुसज्जित सुंदर प्राकृतिक स्थान बाँसेरा पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह उद्यान इस बात का परिचायक है कि यदि कोई व्यक्ति अपने संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए कृतनिश्चयी हो जाए, तो कैसे शानदार परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

अहमदाबाद-मुंबई रूट पर 250किमी. की रफ्तार से दौड़ेगी वंदे भारत, लॉन्च डेट से लेकर डेडलाइन पर अपडेट

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी परियोजना वंदे भारत ट्रेन के नेटवर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। रेल मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर ऐलान किया है कि साल 2027 में वंदे भारत ट्रेन का नया और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस वर्जन 4.0 लॉन्च किया जाएगा। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि यह रेलवे ट्रैक पर 250 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने में सक्षम होगी। इसके साथ ही यह भारत की अब तक की सबसे तेज ट्रेन बन जाएगी।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, वंदे भारत 4.0 की पहली सेवा अहमदाबाद से मुंबई के बीच शुरू की जाएगी। इस रूट को हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए तकनीकी रूप से अपग्रेड किया जा रहा है। इससे अगले वर्जन की वंदे भारत ट्रेनों का संचालन सुरक्षित तरीके से होगा।

350 तक की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन

रेलवे एक्सपर्ट और वंदे भारत परियोजना से जुड़े सुधांशु मणि ने बताया कि वंदे भारत 4.0 को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर

डिजाइन किया गया है। यह ट्रेन बेहतर क्वालिटी स्टैंडर्ड, अत्याधुनिक कवच 5.0 सुरक्षा प्रणाली और हाई-स्पीड कॉरिडोर से लैस होगी। इसे तकनीकी तौर पर बेहतर बनाने की योजना ध्यान में रखकर बनाया गया है। भविष्य में 350 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति वाले कॉरिडोर पर भी चलाया जा सकेगा।

2019 में शुरू हुई थी पहली वंदे भारत ट्रेन

वंदे भारत ट्रेनों की यात्रा 15 फरवरी 2019 से शुरू हुई थी। इसके बाद 2022 में वंदे भारत 2.0 और 2025 में 3.0 वर्जन ऑपरेशनल हुआ। साल 2026 में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लॉन्च की जा चुकी है, जिससे लंबी दूरी की रातभर की यात्राएं ज्यादा आरामदायक बनेंगी। तेज रफ्तार, आधुनिक सुरक्षा तकनीक और बेहतर आराम के कारण वंदे भारत ट्रेनें यात्रियों की पहली पसंद बनती जा रही हैं और भारत की इंटर-सिटी रेल यात्रा को पूरी तरह बदलने की दिशा में बढ़ रही है।

4500 वंदे भारत चलाने की योजना

- दिसंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार 164 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं।
- यह ट्रेनें देश के 274 जिलों को कवर करती हैं और यात्रियों को आरामदायक सफर का अनुभव मिलता है।
- जल्द ही गुवाहाटी और कोलकाता के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने वाली है, जो लंबी दूरी की यात्रा को और आरामदायक बनाएगी।
- रेलवे का लक्ष्य 2030 तक 800 वंदे भारत ट्रेनें चलाने और 2047 तक 4500 तक पहुंचाने का है।

डीसीपीसी ने एसकेयूएएसटी-के में किसानों के लिए सुरक्षित कीटनाशक उपयोग और आईपीएम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

(जीएनएस)।

रसायन और पेट्रोकेमिकल विभाग (डीसीपीसी) की सचिव सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा ने कृषि की स्थिरता और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कीटनाशकों के सुरक्षित और विनियमित उपयोग पर बल दिया है।

वो 12 जनवरी 2026 को श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी-के) में आयोजित एक दिन के किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थी। इसका विषय था "कीटनाशकों का सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग और एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) प्रथाओं को बढ़ावा देना।"

इस कार्यक्रम का समन्वय एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड और एसकेयूएएसटी-के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। डीसीपीसी सचिव ने एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड और एसकेयूएएसटी-के के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की और कीटनाशकों के दुरुपयोग को कम करने के लिए किसानों के प्रशिक्षण,

आईपीएम पद्धतियों को अपनाने और जागरूकता पैदा करने को प्रमुख रणनीतियों के रूप में रेखांकित किया।

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के डीसीपीसी की सचिव सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । जबकि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी विशिष्ट अतिथि थीं। डीसीपीसी, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, यूएनआईडीओ, एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड, एसकेयूएएसटी-के और कश्मीर कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में श्रीनगर और आसपास के जिलों के 524 किसानों ने उत्साहपूर्वक शामिल हुए। एक प्रमुख आकर्षण क्षेत्रीय सब्जी फसलों के लिए एक एकीकृत कीट प्रबंधन संकलन (आईपीएम) का शुभारंभ था । इसका उद्देश्य किसानों और विस्तार कार्यकताओं को सहयोग प्रदान करना था। श्रीनगर क्षेत्र के सोलह किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने शहद, केसर, खुबानी आधारित उत्पाद और मिर्च सहित स्थानीय उपज और मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया।

कश्मीर क्षेत्र में जीईएफ/यूएनआईडीओ फार्म परियोजना (कृषि रसायन न्यूनीकरण और प्रबंधन के वित्तपोषण) के संयुक्त कार्यान्वयन के लिए एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड और एसकेयूएएसटी-के के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत का कपड़ा और कपड़ों का एक्सपोर्ट दुनिया भर की मुश्किलों के बीच भी तेजी से बढ़ रहा है

बड़े पैमाने पर मार्केट में अलग-अलग तरह के लोग, वैल्यू एडिशन और खास पॉलिसी से जुड़े कदम सेक्टर की मजबूती को मजबूत करते हैं

अलग-अलग दुनिया के मार्केट में हैंडीक्राफ्ट, RMG और MMF सेगमेंट में अच्छे प्रदर्शन से दिसंबर 2025 में एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी होगी

(जीएनएस)।

भारत के टेक्सटाइल और अपैरल (ळ&अ) एक्सपोर्ट ने ग्लोबल ट्रेड के खराब माहौल के बावजूद मजबूती और लगातार ग्रोथ दिखाई है, जो इस सेक्टर की एडजस्ट करने की क्षमता, अलग-अलग मार्केट में मौजूदगी और वैल्यू-एडेड और लेबर-इंटेंसिव सेगमेंट में मजबूती को दिखाता है। इस सेक्टर ने लगातार दूसरे महीने पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की, दिसंबर 2025 में एक्सपोर्ट दिसंबर, 2024 के मुकाबले 0.40% बढ़कर 3.27 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो नवंबर 2025 में अच्छी ग्रोथ के बाद हुआ।

दिसंबर 2025 के दौरान, एक्सपोर्ट ग्रोथ खास सेगमेंट में बड़े पैमाने पर रही, जिसमें हैंडीक्राफ्ट (7.2%), रेडीमेड गारमेंट्स (2.89%), और MMF यार्न, फैब्रिक और मेड-अप्स (3.99%) सबसे आगे रहे। ये ट्रेंड्स वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग, पारंपरिक क्राफ्ट्स और रोजगार देने वाले प्रोडक्शन में भारत के कॉम्पिटिटिव एडवांटेज को दिखाते हैं, भले ही ग्लोबल डिमांड की स्थिति अस्थिर हो।

कैलेंडर-ईयर बेसिस (जनवरी-दिसंबर 2025) पर, टेक्सटाइल और कपड़ों का एक्सपोर्ट वरऊ 37.54 बिलियन पर स्थिर रहा, जिसमें हैंडीक्राफ्ट (17.5%), रेडीमेड गारमेंट्स (3.5%), और जूट प्रोडक्ट्स (3.5%) में कुल मिलाकर अच्छी ग्रोथ हुई। जियोपॉलिटिकल टेंशन और खास मार्केट में महंगाई के दबाव के बावजूद, इस पैमाने पर स्थिरता इस सेक्टर की स्ट्रक्चरल मजबूती और डायवर्सिफाइड एक्सपोर्ट बास्केट को दिखाती है।

2025 की एक प्रमुख उपलब्धि उल्लेखनीय बाजार विविधीकरण रही है। जनवरी-नवंबर 2025 के दौरान, भारत के वस्त्र क्षेत्र ने 2024 की इसी अवधि की तुलना में 118 देशों और निर्यात गंतव्यों में निर्यात वृद्धि दर्ज की, जो बाजार प्रदर्शन में व्यापक सुधार को दशार्ता है। उभरते और पारंपरिक दोनों ही बाजारों में मजबूत विस्तार देखा गया, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात (9.5%), मिस्र (29.1%), पोलैंड (19.3%), सूडान (182.9%), जापान (14.6%), नाइजीरिया (20.5%), अर्जेंटीना (77.8%), कैमरून (152.9%) और युगांडा (75.7%) शामिल हैं, साथ ही स्पेन (7.9%), फ्रांस, इटली, नीदरलैंड्स, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम जैसे प्रमुख यूरोपीय बाजारों में भी स्थिर वृद्धि दर्ज की गई।

यह विविधीकृत वृद्धि प्रवृत्ति भारत के वस्त्र निर्यात क्षेत्र की मजबूती और व्यापक गंतव्यों में भारत की वैश्विक बाजार उपस्थिति के सुदृढ़ होने को रेखांकित करती है।

यह सकारात्मक निर्यात प्रदर्शन एक सुव्यवस्थित नीतिगत ढांचे द्वारा और अधिक सशक्त किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना, मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करना और बाजार विस्तार करना है। समग्र रूप से, निरंतर निर्यात गति, विस्तृत होता बाजार दायरा और मूल्य-संवर्धित खंडों का मजबूत प्रदर्शन, वस्त्र और परिधान के लिए एक विश्वसनीय और लचीले वैश्विक सोर्सिंग हब के रूप में भारत की स्थिति की पुनः पुष्टि करता है। विविधीकरण, प्रतिस्पर्धात्मकता और एमएसएमई की भागीदारी पर निरंतर जोर के साथ, यह क्षेत्र आने वाले समय में निर्यात को और बढ़ाने तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ अपने एकीकरण को गहरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

जनजातीय चिकित्सकों का सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण: जनजातीय चिकित्सकों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जनजातीय स्वास्थ्य रूपांतरण में जनजातीय चिकित्सकों को भागीदार बनाया

भारत को पहली राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य वेधशाला मिलेगी, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने भुवनेश्वर स्थित आईसीएमआर-आरएमआरसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

(जीएनएस)।

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 16 जनवरी 2026 को हैदराबाद के कान्हा शांति वनम ू२७ जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए जनजातीय चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र में जनजातीय चिकित्सकों को औपचारिक रूप से मान्यता प्रदान करने एवं उन्हें सहयोगी भागीदार के रूप में शामिल करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और अपनी तरह की पहली राष्ट्रीय पहल है, जो प्रधानमंत्री के समावेशी, अंतिम-मील और समुदाय-नेतृत्व के माध्यम से एक विकसित भारत के निर्माण वाले दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उद्घाटन सत्र में जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम; जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुगार्दास उइके; तेलंगाना के जनजातीय कल्याण मंत्री श्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार; महबूबबाद के सांसद श्री बलराम नाइक; भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी; प्रमुख चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधि; राज्य सरकार के अधिकारी; और पुरे देश से लगभग 400 जनजातीय चिकित्सक उपस्थित हुए।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मनीष ठाकुर, अतिरिक्त सचिव, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने कहा कि जनजातीय चिकित्सकों को उनके समुदायों में पीढ़ियों से विश्वास एवं सामाजिक मान्यता प्राप्त है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) अब जनजातीय चिकित्सकों को अपने स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहयोगी भागीदार के रूप में देखता है, विशेष रूप से निवारक देखभाल, बीमारी की शीघ्र पहचान और समय पर परामर्श जैसे क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं प्रणालीगत बाधाएं जनजातीय समुदायों की औपचारिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को सीमित करती है जबकि विश्वसनीय चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी अंतिम-मील तक सेवा वितरण को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर सकती है।

श्रीमती रंजना चोपड़ा, सचिव, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने समुदाय-आधारित और समुदाय-प्रधान स्वास्थ्य समाधानों को मुख्यधारा में लाने में जनजातीय चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के दृष्टिकोण लागत-कुशल, स्थायी एवं स्थानीय वास्तविकताओं पर आधारित होते हैं। कई जनजातीय जिलों में मलेरिया, तपेदिक और कुष्ठ जैसी संक्रामक बीमारियों की लगातार प्रचलित स्थिति को उजागर करते हुए उन्होंने इन रोगों को उन क्षेत्रों से समाप्त करने के लिए अंतिम एवं लक्षित प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

ओडिशा, महाराष्ट्र और राजस्थान के जनजातीय चिकित्सकों के साथ अपने संवाद के दौरान, सचिव ने सम्मान एवं औपचारिक मान्यता, पारंपरिक ज्ञान का पीढ़ीगत हस्तांतरण सुनिश्चित करने वाले तंत्र और दुर्लभ औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के संरक्षण के लिए उनकी आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रीत किया। उन्होंने जानकारी दी कि मंत्रालय ने जनजातीय समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में साझेदार के रूप में एक लाख जनजातीय चिकित्सकों को औपचारिक रूप से मान्यता प्रदान करने एवं सक्षम बनाने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

श्री बालराम नायक, महबूबाबाद, तेलंगाना के सांसद ने कहा कि जीवनशैली से जुड़े कारणों, जैसे तंबाकू सेवन के कारण जनजातीय समुदायों में तपेदिक जैसी बीमारियां प्रचलित है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने स्टार्टअप पे चर्चा कार्यक्रम में भारतीय युवाओं में बढ़ते आत्मविश्वास का उल्लेख किया

श्री पीयूष गोयल ने कहा – प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप पर्यटन और कौशल विकास में व्यापक बदलाव ला सकते हैं

श्री गोयल ने कहा – भारतीय स्टार्टअप के लिए मुक्त व्यापार समझौते वैश्विक अवसर खोल रहे हैं, उन्होंने स्टार्टअप और लघु उद्यमों को साथ लाकर सुदृढ़ घरेलू आपूर्ति श्रृंखला निर्माण पर जोर दिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्टार्टअप पे चर्चा संवाद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नए और उभरते भारत में सबसे स्पष्ट बदलाव देश के युवाओं में बढ़ता आत्मविश्वास है। उन्होंने कहा कि आज के युवा जोखिम उठाने, उद्यमशीलता अपनाने और नए विचारों पर काम करने को अत्यंत इच्छुक हैं। यह करियर विकल्पों को लेकर पहले जो झिझक थी उसमें उल्लेखनीय परिवर्तन का संकेत है। श्री गोयल ने कहा कि यह आत्मविश्वास नवाचार और भविष्योन्मुखी विकास के प्रति भारत की मानसिकता में मूलभूत बदलाव को दशार्ता है।

श्री गोयल ने संवाद के दौरान, कई व्यवसायिक संस्थापकों और सफल उद्यमियों से बातचीत की। उच्च विकास क्षमता वाले क्षेत्रों के सवाल पर श्री गोयल ने पर्यटन और कौशल विकास को चिन्हित किया। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र राष्ट्रीय आवश्यकताओं और उद्यमशीलता दोनों में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बड़ी आबादी विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने में इन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को समेकित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए देश में कार्यबल तैयार करने हेतु प्रशिक्षण, पुनः

प्रशिक्षण और दोबारा कौशल विकास के महत्व पर बल दिया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने मुक्त व्यापार समझौतों-एफटीए के बारे में कहा कि दुनिया की विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के हाल के समझौते स्टार्टअप और उद्यमियों को महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से निवेशकों में निश्चितता और विश्वास उत्पन्न होगा साथ ही भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए नए बाजार खुलेंगे। उन्होंने स्टार्टअप्स को निवेश आकर्षित करने और वैश्विक विस्तार के लिए विदेशों के साथ स्टार्टअप-टू-स्टार्टअप सहयोग और साझेदारी तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री गोयल ने सेवा, गतिशीलता, भुगतान, संवहनीयता, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसरों की चर्चा की।

डीप-टेक इनोवेशन (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स और एडवांस्ड मैटेरियल्स इत्यादि) पर श्री गोयल ने पूरे देश में हो रही प्रगति पर संतोष और आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हाल की नीतिगत चचाओं में डीप-टेक विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित हुआ है और सरकार द्वारा घोषित 10 हजार करोड़ रुपये के दूसरे स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स से डीप-टेक स्टार्टअप्स, विशेष रूप से इनके विकास के शुरूआती और महत्वपूर्ण चरणों में काफी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि देशभर के इनक्यूबेटरों (स्टार्टअप्स के लिए ऐसा केंद्र जो शुरूआती चरण के व्यवसायों को ऑफिस स्पेस, मार्गदर्शन, वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है) और शैक्षणिक संस्थानों के साथ उनकी बातचीत से इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति दिखी है।

श्री गोयल ने हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों पर कारीगरों को डिजिटल और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पहुंच प्रदान करने के लिए माल प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) – माल को पटल पर लाने, प्रक्रिया डिजिटलीकरण और बाजार पहुंच सुगम बनाकर तथा ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स के साथ समेकन सहित, सहयोग के लिए तत्पर है।

भारत के अंतरिक्ष स्टार्टअप परितंत्र का उल्लेख करते हुए श्री गोयल ने कहा कि अभी इस क्षेत्र में 350 से अधिक स्टार्टअप संचालित हैं, जिनके मूल में डीप-टेक नवोन्मेष है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र दो अरब डॉलर से अधिक का बन चुका है और सरकार का आगामी वर्षों में कई यूनिकॉर्न कंपनियों (एक अरब डॉलर से अधिक कारोबार वाली कंपनियां) के उदय को बढ़ावा देने का लक्ष्य है।

संवाद में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया, विभाग के संयुक्त सचिव श्री संजीव, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी बोट के सह-संस्थापक और मुख्य विपणन अधिकारी श्री अमन गुप्ता, ओयो रूम्स के संस्थापक और समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रितेश अग्रवाल और स्किनकेयर और हेयरकेयर कंपनी मिनिमलिस्ट के सह-संस्थापक श्री मोहित यादव मौजूद रहे।

श्री गोयल ने संवाद के समापन पर स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमों को बड़े निवेशकों और निमार्ताओं से जोड़कर मजबूत घरेलू आपूर्ति श्रृंखला निर्मित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन्वेस्ट इंडिया और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग जैसे संस्थान इसे सुगम बना रहे हैं ताकि स्टार्टअप्स को बाजार में मांग, पूंजी और विस्तार का लाभ मिल सके। उन्होंने उद्यमियों को उभरते अवसरों का पता लगाने, फायदे-नुकसान का आकलन करते हुए जोखिम उठाने और नवाचार आधारित विकास को तेज करने के लिए भारत की अद्वितीय प्रतिभाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अनुकूलनशील आसियान: कनेक्टिविटी से संबद्ध बुद्धिमता तक' विषय पर छठी आसियान-भारत डिजिटल मंत्री बैठक संपन्न

बैठक में डिजिटल समावेशन और एकीकरण पर केंद्रित क्षेत्रीय डिजिटल सहयोग मजबूत करने के प्रति आसियान देशों और भारत की साझा प्रतिबद्धता को दोहराया गया

आसियान और भारत ने डिजिटल साझीदारी मजबूत करते हुए आसियान-भारत डिजिटल कार्य योजना 2026 को मंजूरी दी

भारत ने आसियान साझीदारों को लिए स्वदेशी और किफायती समाधानों के प्रस्ताव पर जोर दिया

भारत ने दूरसंचार उपयोगकताओं के बचाव और धोखाधड़ी रोकने के लिए 'संचार साथी' पहल को रेखांकित करते हुए आसियान साझीदारों के साथ सर्वश्रेष्ठ परिपाटियों को साझा करने का प्रस्ताव रखा

(जीएनएस)।

आसियान और भारत के डिजिटल मंत्रियों (एडीजीएमआईएन) की छठी बैठक आज आभासी माध्यम से आयोजित की गई। इसमें आसियान के सदस्य देशों और भारत ने डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की साझा

प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल तथा विएतनाम के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री गुयेन मान्ह हंग ने साथ मिल कर की।

एडीजीएमआईएन आसियान के 11 सदस्य देशों और संगठन के वार्ता साझीदार राष्ट्रों का एक वार्षिक मंच है। इसमें भाग लेने वाले आसियान के 11 सदस्य देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य, मलेशिया, म्यांमार, फिलिपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और विएतनाम हैं। आसियान के वार्ता सहयोगियों में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, रूस, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका शामिल हैं। बैठक में क्षेत्रीय डिजिटल सहयोग मजबूत करने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बातचीत डिजिटल समावेशन और एकीकरण पर केंद्रित रही।

बैठक ने 10 अक्टूबर 2024 को वियनतियाने, लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य में आयोजित 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में 'डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने पर आसियान-भारत संयुक्त वक्तव्य' को अपनाने पर सहमति हुई। इसका उद्देश्य डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, वित्तीय प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, एआई, क्षमता निर्माण और ज्ञान साझाकरण और संवहनीय वित्तपोषण और निवेश पर आपसी सहयोग को मजबूत करना है। बैठक में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से 'आसियान-भारत 2025 डिजिटल कार्य योजना' में सहयोग गतिविधियों को लागू करने में हुई प्रगति पर भी विचार किया गया। इसके अतिरिक्त, बैठक में 2026 के लिए आसियान-भारत डिजिटल कार्य योजना का स्वागत किया गया, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल हैं: (१) आईसीटी (कउळ) प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रम; (२) भारत-आसियान नियामक सम्मेलन और (३) दूरसंचार सूचना और संचार प्रौद्योगिकी समाधानों का उपयोग। बैठक में एक विशेष 'डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष' के संचालन का भी स्वागत किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए, श्री अमित अग्रवाल ने आसियान-भारत डिजिटल सहयोग के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की और 'अनुकूलनशील आसियान: कनेक्टिविटी से संबद्ध बुद्धिमता तक' विषय का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हमने डिजिटल विभाजन को कम करने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य किया है और सुनिश्चित किया है कि डिजिटल परिवर्तन समावेशिता, मजबूती और आर्थिक विकास के लिए एक ताकत के रूप में उभरे।

उन्होंने भारत के तीव्र डिजिटल परिवर्तन, सार्वभौमिक 4 जी कवरेज, दुनिया का सबसे तेज 5 जी रोलआउट, भारतनेट के माध्यम से विस्तारित ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और एक प्रमुख मोबाइल विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत के उभरने पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने समावेशी विकास और कुशल सेवा वितरण के लिए 'आधार' यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को समावेशी विकास और कुशल सर्विस डिलीवरी के लिए साबित प्लेटफॉर्म के तौर पर प्रस्तुत किया। भारत ने दूरसंचार उपयोगकर्ता की सुरक्षा और धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए 'संचार साथी' पहल पर भी प्रकाश डाला और आसियान देशों के साथ बेहतरीन कार्यप्रणाली को साझा करने की पेशकश की।

कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देते हुए, भारत ने 'इंडिया एआई मिशन' की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें सुरक्षित और विश्वसनीय एआई पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही, भारत ने एआई के क्षेत्र में क्षमता निर्माण, मानकों के विकास और व्यावहारिक उपयोग के मामलों पर आसियान देशों के साथ सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। श्री अमित अग्रवाल ने कहा, 'जैसे-जैसे हम कनेक्टिविटी से बुद्धिमता की ओर बढ़ रहे हैं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक निर्णायक शक्ति होगी। भारत एआई पर एक स्पष्ट धारणा के साथ आगे बढ़ रहा है: नवाचार को जिम्मेदारी, पारदर्शिता और जनता के भरोसे के साथ ही उपयोग करना चाहिए।

बैठक में पारस्परिक विकास और क्षेत्रीय समृद्धि की ओर बढ़ने के लिए एक खुले, सुरक्षित, समावेशी और नवाचार-प्रेरित डिजिटल परिवेश के निर्माण के लिए भारत और आसियान के साझा दृष्टिकोण की पुष्टि की गई।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

भारतीय लोकतंत्र का सफलता का श्रेय जनता की वर्षो तक की गई तपस्या को है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रमंडल के लगभग 50 देशों के पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र इसलिए सफल है क्योंकि शासन के वेंद्र में जनता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार शत प्रतिशत सही है। लोकतंत्र का मतलब जो राजनीति शास्त्र में बताया गया है, वह आज भी दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिकन के इसी सूत्र वाक्य के निकट परिव्रमा लगाता है कि "लोकतंत्र जनता द्वारा, जनता का और जनता के लिए होता है।" प्रधानमंत्री ने भी यही कहा कि भारत का लोकतंत्र इसलिए सफल है क्योंकि जनता शासन के वेंद्र में है। मतलब कि सरकार 'जनता के लिए' ही हर काम करती है। यही नहीं भारत में आज यदि लोकतंत्र का झंडा बुलंद है तो इसका श्रेय मात्र जनता को जाता है जिसने न सिर्प भारत के गुलामी की जंजीरों को तोड़ा बल्कि धैर्य, समझ और अपने अर्जित अनुभवों से लोकतंत्र पर आने वाले हर संकट को निष्फल कर दिया है।

भारत में शासन जनाकांक्षाओं के अनुरूप ही चलता है। आज सरकार जितनी भी योजनाएं चला रही है, वे सभी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ही चलाईं जा रही हैं। सच तो यह है कि जिस सम्मेलन को प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया उसमें राष्ट्रमंडल के ऐसे देश भी शामिल हैं जिनकी जनता को लोकतंत्र का उतना अच्छा अनुभव नहीं है जितना कि भारत की जनता को है। इसलिए प्रधानमंत्री ने देश की जनता को ही लोकतंत्र की सफलता के लिए न सिर्प श्रेय दिया है बल्कि उन्होंने तो यहां तक कहा कि सरकार अपनी हर योजना की सफलता का कारण मात्र जनता को वेंद्रित किए जाने की वजह से ही योजनाएं भी सफल हो रही हैं और जिस देश में योजनाओं का लाभ आम जनता को मिलता है उस देश के लोकतंत्र को किसी से कोई चुनौती नहीं मिल सकती।

सच तो यह है कि बृहस्पतिवार को राष्ट्रमंडल देशों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के लोकतंत्र की सफलता के लिए जनता की भूमिका और जनभावनाओं के अनुवूल शासन की योजनाओं की तरफ इशारा करके प्रतिनिधियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में लोकतंत्र सफल है और इसके लिए न सिर्प देश की जनता की वर्षो तक की गई तपस्या को श्रेय जाता है बल्कि भारतीय संविधान में प्रदत्त नीति-निर्देशक तत्वों को भी श्रेय जाता है जिनकी वजह से ही सरकारें जनाकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने का न मात्र संकल्प करती हैं बल्कि देश की जनता भी सरकार को जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए विवश भी करती है। स्पष्ट रूप से सरकारें अपनी लोकप्रियता साबित करने के लिए यदि जनकल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं तो जनता भी मात्र उन्हें ही सत्ता में बने रहने देती है जो जनता के लिए लोक कल्याण के उद्देश्यों के लिए कार्य करती हैं। बहरहाल जिन देश की सरकारें अपनी जनता को वेंद्र में न रखकर शासन करने की गलती करती हैं, उन देशों में जनाव्रोश, उथल-पुथल और हिसक व झड़प की घटनाएं देखने को मिलती हैं। ऐसे देशों की सरकारें जनान्दोलन से हटाईं जाती हैं। वुल मिलाकर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रमंडल के उन सदस्य देशों को इस बात की नसीहत दी कि जनता ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकती है, जो खुद को जनता से ज्यादा महत्वपूर्ण मानते हैं या जो शक्ति के आधार पर शासन चलाने की गलती करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भावनगर में 107 दिव्यांगजनों को 1.16 करोड़ रुपए की साधन सहायता का वितरण किया

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एडिप योजना तथा जेटको और पीजीवीसीएल के सीएसआर कार्यक्रम के तहत एलिम्को निःशुल्क दिव्यांग उपकरण सहायता वितरण कैंप आयोजित

राज्य सरकार ने गत पांच वर्षों में 4 लाख से अधिक दिव्यांगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर ८२० करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सुगम्य भारत अभियान के जरिए दिव्यांगजनों के कल्याण की दिशा में बड़ा काम किया
- दिव्यांगजनों के लिए वरदान बने दिव्याशा केंद्र
- दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए गांधीनगर में 316 करोड़ रुपए के खर्च से एथलीट्स हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स सेंटर का निर्माण हो रहा है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय खेलों में अधिक मेडल जीत सकें
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'सशक्त दिव्यांगजन यानी सशक्त भारत' विजन के साथ गत 10 वर्षों में दिव्यांग कल्याण योजनाओं के खर्च में तीन गुना वृद्धि हुई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक क्रांतिकारी बदलाव आए हैं : केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया

श्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने की संवेदनशील पहल की : कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

गांधीनगर, 16 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को भावनगर में दिव्यांग उपकरण सहायता वितरण शिविर के अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने दिव्यांगों का जीवन आसान और उन्नत बनाने के लिए दिव्यांगजनों के हित में अनेक निर्णय किए हैं।

भावनगर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की दिव्यांगजनों के लिए सहायक यंत्रों और उपकरणों की खरीद/फिटिंग की सहायता योजना (एडिप योजना) और गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जेटको) और पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत एलिम्को और भावनगर जिला प्रशासन की ओर से निःशुल्क दिव्यांग साधन-उपकरण सहायता वितरण कैंप का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से एक ही दिन में एक साथ 1017 दिव्यांगजनों को 1.16 करोड़ रुपए की साधन सहायता वितरित करने के इस कार्यक्रम को दिव्यांग कल्याण की सरकार की प्रतिबद्धता करार दिया।

मुख्यमंत्री ने भावनगर और बोटाद जिले में 15 दिनों तक कैंप आयोजित कर 2600 से अधिक दिव्यांगजनों को 3.51 करोड़ रुपए के 4800 से अधिक साधनों का निःशुल्क वितरण कर उनकी आत्मनिर्भरता का अहम कार्य करने के लिए केंद्रीय मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया और उनकी टीम को बधाई दी। इसके अलावा, उन्होंने राज्य के दो सार्वजनिक उपक्रमों जेटको और पीजीवीसीएल की भी सीएसआर के तहत इस साधन वितरण में योगदान देने के लिए सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में पिछले पांच वर्ष में 4 लाख से अधिक दिव्यांगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर ८२० करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी गई है। इतना ही नहीं, दिव्यांगों को प्रमाण पत्र के लिए बार-बार मेडिकल चेकअप कराने की मुश्किलों से भी मुक्ति मिली है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र को आजीवन मान्य करने के निर्णय से दिव्यांगों को बड़ी राहत प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि अब 60 फीसदी या उससे अधिक दिव्यांगता वाले दृष्टिबाधितों को संत सूरदास योजना का लाभ दिया जाता है। ऐसे योजनाओं का लाभ आसानी से मिलने के कारण दिव्यांगजन आत्मसम्मान से जीवन जी रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में दिव्यांगों का जीवन बदला और उन्हें नए अवसर प्रदान किए हैं, इस बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सुगम्य भारत अभियान के जरिए दिव्यांगजनों के कल्याण की दिशा में बड़ा कार्य किया है। इस अभियान के कारण देश में सरकारी कार्यालयों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और सार्वजनिक स्थानों पर दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं स्थापित की गई हैं और ईज ऑफ लिविंग से उनका जीवन आसान बना है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की 'प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र' के निर्माण की पहल की चर्चा करते हुए कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में 300 दिव्याशा केंद्र बनाने का लक्ष्य है, जिनमें से 100 तो कार्यरत हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकाकर देश का गौरव बढ़ाने के लिए भी श्री मोदी ने योजनाबद्ध कार्यपद्धति अपनाई है। इस बारे में उन्होंने कहा कि गांधीनगर में 316 कोरड़ रुपए की लागत से पैरा एथलीटों के लिए हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स सेंटर का निर्माण हो रहा है। इस सेंटर में हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों को ऐसा प्रशिक्षण दिया जाएगा कि वे आने वाले समय में आयोजित होने वाले विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक मेडल जीत सकें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प में दिव्यांगजनों के शिक्षा, रोजगार, टेक्नोलॉजी और उद्योगों में समान भागीदार बनाने की मंशा व्यक्त की।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में अनेक क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। दिव्यांगजनों के लिए सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू हैं। बोटाद और भावनगर जिले में लगभग 2700 दिव्यांगजनों का परीक्षण किया गया था। भावनगर जिले में शिहोर और पालीताणा तथा बोटाद जिले में तीन कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें 825 दिव्यांगजनों को कुल 121.20 लाख रुपए मूल्य के 1577 साधन वितरित किए गए।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। एडिप योजना के तहत लाखों दिव्यांगजनों को निःशुल्क आधुनिक सहायक साधन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि गत 11 वर्षों में दिव्यांगजनों को साधन-सहायता के लिए लगभग 18 हजार से अधिक कैंपों का आयोजन कर 31 लाख से अधिक दिव्यांगजनों तक सहायता पहुंचाई गई है।

कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि 'दिव्यांग' शब्द की भावनात्मक अभिव्यक्ति और दिव्यांगजनों के लिए व्यवस्थाओं की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने दिव्यांगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए जो संवेदनशील पहले की थी, उसका फल पूरे देश में देखने को मिल रहा है। दिव्यांग साधन सहायता कार्यक्रमों के जरिए अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अपनी विनम्रता, निष्कपटता और संवेदनशील कार्य शैली के माध्यम से गुजरात में एक मजबूत नेतृत्व स्थापित किया है। उनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायी बना है। उन्होंने दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा की जा रही पहलों की प्रशंसा की।

श्री वाघाणी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां सीएसआर फंड का उचित उपयोग समाज के हित में करने के लिए आगे आ रही हैं। दिव्यांगजनों को साधन सहायता मिलने से वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकते हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़ा गया।

भावनगर कलेक्टर डॉ. मनीष कुमार बंसल ने स्वागत भाषण दिया जबकि जिला विकास अधिकारी श्री हनुल चौधरी ने आभार व्यक्त किया। एलिम्को कंपनी के महाप्रबंधक श्री विवेक द्विवेदी ने कार्यक्रम की रूपरेखा देते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर भावनगर के प्रभारी मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया, महापौर श्री भरतभाई बारड़, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राजूभाई राबड़िया, उप महापौर श्रीमती मोनाबेन पारेख, विधायक सर्वश्री सेजलबेन पंड्या, भीखाभाई बारैया, शंभुनाथ टुंडिया, गौतमभाई चौहाण, शिवाभाई गोहिल, केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के संयुक्त सचिव श्री रवि शंकर, अग्रणी श्री कुमारभाई शाह और दिग्विजयसिंह गोहिल सहित कई अधिकारी और पदाधिकारी मौजूद रहे।

....

अमरीन शहजाद अब्राहानी कौन हैं? अरुन गवली की डैडी विरासत की नींव हिलाई, बेटी गीता की बजाई सीटी

(जीएनएस)।

मुंबई की बीएमसी चुनाव 2026 ने कई पुरानी राजनीतिक विरासतों को चुनौती दी, लेकिन सबसे बड़ा झटका लगा अरुण गवली (डॉन 'डैडी') के परिवार को। गैंगस्टर से नेता बने गवली की दोनों बेटियां - गीता गवली और योगिता गवली - हार गईं। गीता गवली को वार्ड 212 (बायकुला-अग्रीपाडा) में समाजवादी पार्टी (एसपी) की अमरीन शहजाद अब्राहानी ने हराया, जबकि योगिता को वार्ड 207 में बीजेपी के रोहिदास लोखंडे ने शिकस्त दी।

यह डबल हार गवली परिवार के घटते राजनीतिक प्रभाव का प्रतीक है, जहां 'डैडी' की पुरानी पकड़ अब कमजोर पड़ रही है। आइए हम जानते हैं आखिर कौन है अमरीन शहजाद अब्राहानी? उनकी जीत की वजह, गवली परिवार की हार और बायकुला की सियासत को विस्तार से समझेंगे...

अमरीन शहजाद अब्राहानी?

अमरीन शहजाद अब्राहानी समाजवादी पार्टी की एक उभरती हुई नेता हैं, जो मुंबई के वार्ड 212 (बायकुला-अग्रीपाडा क्षेत्र, महिलाओं के लिए आरक्षित) से बीएमसी चुनाव 2026 में उम्मीदवार थीं। वे खुद को 'मां, पत्नी और सोशल वर्कर' बताती हैं। उनके पति शहजाद यूसुफ अब्राहानी हैं, और वे मुस्लिम समुदाय से जुड़ी हैं।

सोशल मीडिया प्रोफाइलः इंस्टाग्राम पर @amrnsabrahani हैं, जहां उनके 8.7K+ फॉलोअर्स और 49+ पोस्ट हैं। वे सोशल वर्क, लोकल इश्यूज (जैसे हेल्थ, गिग वर्कर्स की समस्याएं, डिलीवरी के दौरान प्राइवेट हॉस्पिटल्स की महंगाई) पर फोकस करती हैं। कैम्पेन में वे 'वार्ड 212 के हर कोने के लिए जिम्मेदारी' का नारा देती रहीं।

पॉलिटिकल स्टाइलः अमरीन एक नई फेस हैं, जो पुरानी विरासत (जैसे गवली फैमिली) के खिलाफ 'बदलाव' और 'डेवलपमेंट' पर जोर देती हैं। उन्होंने चुनाव से पहले कहा कि लोग अब 'लीगेसी' नहीं, बल्कि 'वर्क' देखते हैं। उनकी जीत को मुस्लिम-बहुल इलाके में एसपी की मजबूती का संकेत माना जा रहा है।

पार्टीः समाजवादी पार्टी (एसपी), जो मुंबई में मुस्लिम और अल्पसंख्यक वोट बैंक पर फोकस करती है।

अमरीन की जीत को 'नई पीढ़ी ५२ पुरानी विरासत' की लड़ाई माना जा रहा है, जहां उन्होंने गवली की बेटी को हराकर साबित किया कि बायकुला अब बदलाव चाहता है।

इटउ 2026 हं१ि212 ए'ू३ङ्ल्लः गीता गवली ५२ अमरीन शहजाद अब्राहानी

वार्ड 212 (बायकुला-अग्रीपाडा) गवली परिवार का गढ़ रहा है। गीता गवली (उम्र 42 वर्ष, अखिल भारतीय सेना - ABHS) तीन बार की पूर्व पार्षद थीं और 2017 में इसी वार्ड से जीती थीं। उन्होंने 'डॉन की बेटियां नहीं, डैडी की बेटियां' का नारा दिया, कहते हुए कि लोग अरुण गवली को 'डैडी' कहकर प्यार करते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं।

लेकिन अमरीन शहजाद अब्राहानी ने उन्हें हराकर बड़ा उलटफेर किया।

अन्य उम्मीदवारः-

नाजिया सिद्दीकी (कांग्रेस)

श्रावणी विनय हल्दानकर (एमएनएस)

स्मिता संतोष साल्वी (संभाजी ब्रिगेड पार्टी)

मुस्कान मेराज शेख (स्वतंत्र)

जीत की वजहें:

लोकल इश्यूज पर फोकसः अमरीन ने हेल्थ, गिग वर्कर्स (जैसे ZomÔto, Swiggy डिलीवरी बॉयज), पब्लिक फैसिलिटीज और डेवलपमेंट पर जोर दिया। गवली फैमिली की पुरानी 'लीगेसी' अब वोटर्स को प्रभावित नहीं कर पाई।

समुदाय समर्थनः बायकुला में मुस्लिम बहुल इलाकों में एसपी की पकड़ मजबूत रही। अमरीन की 'सोशल वर्कर' इमेज ने युवा और महिलाओं को आकर्षित किया।

गवली फैमिली की कमजोरीः अरुण गवली की जेल (17 साल) और राजनीतिक गिरावट ने प्रभाव कम किया। गीता की संपत्ति ₹7.26 करोड़ घोषित थी, लेकिन वोटर्स ने 'बदलाव' चुना।

यह जीत गवली परिवार के लिए डबल झटका थी, क्योंकि योगिता भी वार्ड 207 में हार गईं।

विरासतः से राजनीति तक का सफर

अरुण गवली (अरुण गवली) 1970-80 के दशक में मुंबई अंडरवर्ल्ड के बड़े नाम थे। वे 'बायकुला कंपनी' गिरोह के लीडर बने, दाऊद इब्राहिम से दुश्मनी रही। 1980 में बालासाहेब ठाकरे का संरक्षण मिला, लेकिन बाद में मतभेद हो गए।

पॉलिटिकल करियरः 2004-2009 तक चिंचपोकली से विधायक रहे। अपनी पार्टी अखिल भारतीय सेना बनाई।

जेल और रिहाईः 2008 में शिवसेना पार्षद की हत्या के केस में 17 साल जेल में रहे। सितंबर 2025 में जमानत पर रिहा।

परिवारः बेटियां गीता और योगिता राजनीति में सक्रिय रहीं, लेकिन 2026 में दोनों हार गईं। यह उनकी विरासत पर बड़ा सवाल है।

समर्थक उन्हें 'डैडी' कहते हैं, क्योंकि उन्होंने गदड़ी चॉल में लोगों की मदद की, लेकिन अब इलाका बदलाव चाहता है।

क्यों हारी गवली, क्यों जीती अमरीन?-डीप एनालिसिस

नीचे टेबल में मुख्य फैक्टर्सः-

क्रमांक फैक्टर गीता गवली (हार) अमरीन शहजाद अब्राहानी (जीत) प्रभाव

1 पृष्ठभूमि पूर्व पार्षद, गवली परिवार की बेटी सोशल वर्कर, नई फेस, एसपी उम्मीदवार पुरानी विरासत ५२ नया बदलाव

नारा "डैडी की बेटियां", लोकल मदद "डेवलपमेंट और जिम्मेदारी" वोटर्स ने बदलाव चुना

3 समुदाय गवली का पुराना आधार मुस्लिम-बहुल इलाके में एसपी सपोर्ट एसपी की मजबूती

4 इश्यूज लीगेसी पर फोकस हेल्थ, गिग वर्कर्स, पब्लिक सुविधाएं लोकल प्रॉब्लम्स पर जीत

5 परिणाम हार (वार्ड 212) जीत (वार्ड 212) गवली प्रभाव कमजोर

इनसाइटः बायकुला अब 'लीगेसी' से ज्यादा 'परफॉर्मेंस' देखता है। अमरीन की जीत एसपी की मुंबई में वापसी का संकेत है, जबकि गवली परिवार की हार अंडरवर्ल्ड से राजनीति की सीमा दिखाती है।

बीएमसी 2026 का सबक

अमरीन शहजाद अब्राहानी की जीत ने साबित किया कि मुंबई की सियासत में नई आवाजें पुरानी विरासतों को चुनौती दे सकती हैं। गवली परिवार का 'डैडी' प्रभाव अब कमजोर पड़ रहा है, जबकि अमरीन जैसे सोशल वर्कर्स आगे आ रहे हैं। यह चुनाव लोकल इश्यूज और बदलाव की जीत है।

राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मान में भोज का आयोजन

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मान में भोज आयोजित किया

श्री राधाकृष्णन ने कहा - विविध विचारों के बीच शालीनता और गरिमापूर्ण संवाद और चर्चा, साझा और प्राथमिक दायित व

श्री राधाकृष णन ने कहा - राष्ट्रमंडल देशों की भौगोलिक स्थिति, संस्कृति और ऐतिहासिक अनुभव भिन्न; फिर भी वे समान संसदीय लोकाचार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों की सामूहिक प्रतिबद्धता से बंधे हैं

श्री राधाकृष्णन ने कहा - पीठासीन अधिकारी विधानमंडलों की गरिमा और लोगों की आवाज के अंतिम संरक्षक

(जीएनएस)।

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति श्री सी.पी.राधाकृ णन ने आज नई दिल्ली के संविधान सदन में राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मान में भोज आयोजित किया। 14 से 16 जनवरी, 2026 तक भारत में राष्ट्रमंडल संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन के दौरान भोज आयोजित किया गया।

सभापति ने भारत के ऐतिहासिक संसद भवन के संविधान सदन में पीठासीन अधिकारियों और संसदीय अध्यक्षों की मेजबानी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह भवन साढ़े सात दशकों से अधिक समय से भारत के जीवंत और समृद्ध संसदीय लोकतंत्र का प्रतीक है।

श्री राधाकृष्णन ने कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्रमंडल लोकतंत्रों को एकजुट करने वाले सामूहिक सद्भाव और साझा उद्देश्य की भावना दशार्ता है। श्री राधाकृ णन ने भारत की सभ्यतागत विचारधारा से प्रेरित संवाद, सहयोग और पारस्परिक सम्मान द्वारा एक साथ आगे बढ़ने के महत्व पर बल दिया।

संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन संवैधानिक अधिकारियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री राधाकृष्णन ने विचारों की विविधता के बीच शालीनता और गरिमा के साथ बहस, संवाद और चर्चा को सुगम बनाने की साझा और प्राथमिक उत तरदायित व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल देशों की भौगोलिक स्थिति, संस्कृति और ऐतिहासिक अनुभव भिन्न हैं, फिर भी वे समान संसदीय लोकाचार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता से बंधे हैं।

श्री राधाकृष्णन ने कहा कि पीठासीन अधिकारी विधायिका की गरिमा और लोगों की आकांक्षापूर्ण आवाज के अंतिम संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं, जिन्हें लोकतंत्र के पवित्र सदन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यवस्थित आचरण के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए रखने का दायित्व सौंपा गया है।

भारत की लोकतांत्रिक विरासत का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने भारत को लोकतंत्र की जननी बताया। उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्रमंडल को केवल ऐतिहासिक संगठन नहीं, बल्कि समान साझेदारों के बीच सहयोग के अहम और भविष्योन्मुखी मंच के तौर पर देखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन - सीएसपीओसी जैसे मंच संस्थागत ज्ञान, सर्वोत्तम प्रचलन और अनुभवों को साझा करने के बहुमूल्य अवसर प्रदान करते हैं।

श्री राधाकृष्णन ने कहा कि इस प्रकार के आदान-प्रदान से विधानमंडलों की स्थिति अनुकूलता, पारदर्शिता और समावेशिता बढ़ाकर उन्हें सुदृढ़ करने में योगदान मिलता है। सहभोजन या सामुदायिक भोजन की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने समानता, बंधुत्व और नाते को बढ़ावा देने में इसके प्रतीकात्मक महत्व की चर्चा की।

उन्होंने संस्कृत प्रार्थना "समस्थ लोकाः सुखिनो भवन्तु" - यानी सभी प्राणी सर्वत्र सुखी और स्वतंत्र हों - का आ'ान करते हुए साझा प्रयासों द्वारा अपने लोगों के कल्याण और समृद्धि के लिए अथक प्रयास करने की राष्ट्रमंडल विधानमंडलों की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

श्री राधाकृ णन ने विश्वास व्यक्त किया कि सीएसपीओसी 2026 के दौरान होने वाली चर्चा से राष्ट्रमंडल देशों के बीच संसदीय संबंध, आपसी समझ और सहयोग और भी सुदृढ़ होंगे।

संबोधन के समापन में उन्होंने भारत आने वाले गणमान्य अतिथियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि उनकी भारत यात्रा सफल और स्मरणीय रहेगी।

कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रीगण, राज्यसभा उपसभापति श्री हरिवंश, अंतर-संसदीय संघ की अध्यक्ष डॉ. तुलिया एकसन, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के अध्यक्ष डॉ. क्रिस्टोफर कलीला, राज्यसभा और लोकसभा के महासचिव और राष्ट्रमंडल के विभिन्न देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया।

'पिया बिना ससुराल', तलाक के बाद मातोश्री में क्यों रहती है ठाकरे खानदान की ये बहू?

(जीएनएस)।

मुंबई पर 25 सालों से उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना का कब्जा था, लेकिन इस बार बीजेपी गठबंधन ने इस पर अपना अधिकार जमा लिया है। निकाय चुनावों में जनता का प्यार और आशीर्वाद उसे ही मिला है, ये चुनाव उद्धव ठाकरे के लिए काफी अहम था और उन्हें लगता था कि वो 'मराठी-मानुष' मुद्दे से जनता के दिलों में जगह बना लेंगे और इसी के चलते उन्होंने वो कदम भी उठाया जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी, जीं हां यहां जिक्र हो रहा है राज ठाकरे से पैचअप का।

20 साल बाद दोनों भाईयों के बीच की कड़वाहट कम हुई और दोनों ने एक मंच पर आकर जनता के बीच मुंबई, मराठी और मानुष का संदेश देने की कोशिश की लेकिन ये संदेश जनता को समझ नहीं आया और आज दोनों ब्रदर्स चुनावी संग्राम में फेल हो गए। बीजेपी का कहना है कि ये गठबंधन मौसमी था और अब ये हार चुका है तो चुनाव के बाद फिर से टूट जाएगा। अब वो कितना सही साबित होते हैं, ये तो आने वाला वक्त बताएगा लेकिन आपको यहां पर ठाकरे खानदान के बारे में एक अनोखी बातें बताते है।

गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे की बड़ी भाभी स्मिता ठाकरे अपने तलाक के बाद भी 'मातोश्री' (ठाकरे के घर का नाम) में ही रहती हैं। हैरत हुई ना, लेकिन सच यही है। दरअसल इसके पीछे एक दर्दनाक कहानी है, आपको बता दें कि शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के तीन पुत्र थे। उनके बड़े बेटे का नाम बिंदु माधव था,जिनकी दुर्भाग्यवश एक हादसे में मौत हो गई थी।

उनके मझले बेटे का नाम जयदेव ठाकरे था, जिनके विचार बाला साहेब से बिल्कल उलट थे इसी वजह से उनकी पिता से बनती नहीं थी। उन्होंने तीन शादियां की थी। उनका पहला विवाह जयश्री कालेकर से हुआ था लेकिन कुछ वक्त बाद उनका जयश्री को तलाक हो गया था, कहते हैं कि इसी तलाक के बाद बाला साहेब और बेटे के बीच गहरा तनाव था।

बाला साहेब ने बेटे को घर से निकाला

जयदेव ने दूसरी शादी मुंबई में एक मध्यम वर्गीय परिवार में पली-बढ़ी स्मिता ठाकरे से की, ये प्रेम विवाह था लेकिन स्मिता ने जल्द ही अपने मधुर व्यवहार से पूरे परिवार का मन मोह लिया। इस शादी दोनों को दो बेटे भी हुए लेकिन जयदेव ने स्मिता ठाकरे को भी छोड़ने का फैसला ले लिया लेकिन इस बार बाला साहेब ने कहा कि 'ऐसा नहीं होने देंगे', लेकिन जब जयदेव ने उनकी एक ना सुनी, तो ठाकरे ने उन्हें अपने घर से निकाल दिया और बहू स्मिता को 'मातोश्री' में रहने का हक दे दिया।

बिजली विभाग की लापरवाही: पूरनपुर-शेरपुर मार्ग पर तार गिरा, मोटरसाइकिल दुकान जलकर राख

(जीएनएस)।

पीलीभीत,16 जनवरी 2026: जिले के पूरनपुर थाना क्षेत्र में शेरपुर कला जाने वाले मार्ग पर बिजली विभाग की घोर लापरवाही से एक मोटरसाइकिल दुकान में भीषण आग लग गई। सुबह करीब 9 बजे 11,000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर दुकान पर गिर गया, जिससे लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय व्यापारी समुदाय में आक्रोश व्याप्त है, जो बिजली विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगा रहा है।

घटना की जानकारी देते हुए दुकान मालिक ने बताया कि वह दुकान पर सामान सजाने में व्यस्त थे, तभी आसमान से तेज धमाके के साथ तार गिर पड़ा। 'आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में पूरा स्टॉक राख हो गया। बिजली विभाग ने सालों से इन ढीले-ढाले तारों की मरम्मत नहीं की, जिसकी चपेट में हमारी आजीविका जल गई,' उन्होंने रोष जताते हुए कहा। दुकान में रखे दर्जनों मोटरसाइकिल पार्ट्स, स्पेयर पार्ट्स, टायर्स, बैटरी और अन्य सामान की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। सौभाग्य से कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन व्यापारी परिवार अब सड़क पर आ गया है।

यह घटना बिजली विभाग की लगातार लापरवाही का नंगा चेहरा उजागर करती है। पूरनपुर क्षेत्र में हाईटेंशन लाइनें पुरानी और जर्जर हालत में हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी केवल कागजों पर रिपोर्टें बनाकर जनता की जान जोखिम में डाल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायतें करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पिछले साल भी इसी मार्ग पर इसी तरह का हादसा हुआ था, जिसमें एक घर जल गया था, लेकिन दोषियों पर कोई विभागीय जांच तक नहीं बैठाई गई। क्या अब भी प्रशासन सोएगा?

आक्रोशित व्यापारियों ने एसडीएम और बिजली विभाग के एसई एवं जेई से गुहार लगाई है,जिसमें मुआवजे की मांग के साथ दोषी अधिकारियों पर एक्शन की मांग की गई है।

जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है, जो उनकी उदासीनता को और उजागर करता है।

पूरनपुर में 17 जनवरी को लगेगा संकट मोचन पानी बाले बाबा का भव्य जल दरबार

(जीएनएस)।

पूरनपुर (पीलीभीत): परम पूज्य गुरुदेव श्री संकट मोचन पानी बाले बाबा के आदेशानुसार 17 जनवरी, शनिवार को बाबा का भव्य जल दरबार मां दुर्गा मंदिर, संकट हरण हनुमान मंदिर (पंचम दास स्कूल के ठीक सामने, पूरनपुर) पर लगाया जाएगा। यह दिव्य आयोजन समस्त भक्तजन श्री बालाजी दरबार के महंत अखिलेश त्रिगुणायत जी के मार्गदर्शन में तथा समस्त श्री बालाजी दरबार,

पूरनपुर-पीलीभीत द्वारा किया जा रहा है।प्रत्येक शनिवार को लगने वाले इस दरबार में क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु और सेवादार बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। आयोजन समिति में प्रमुख भक्त एवं सेवक शामिल हैं- महंत अखिलेश त्रिगुणायत जी, अभिषेक गुप्ता, रितिक सक्सेना, ठाकुर शिवम भदौरिया, निहाल गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, ठाकुर अनुज, सुभाष गुप्ता, अंकुश अग्रवाल, आकाश गुप्ता, अध्ययन पूरनपुर एवं अन्य सदस्य।धार्मिक माहौल को और भव्य बनाने के लिए पूरनपुर की प्रस्तुति भी आयोजन में शामिल रहेगी। स्थानीय लोगों में इस जल दरबार को लेकर विशेष उत्साह व्याप्त है।

प्रयागराज (यमुनापार) करछना लकटहा मे प्लास्म ग्रुप कबड्डी खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 15से22 जनवरी तक होगें भव्य खेल आयोजन

(जीएनएस)।

लखनऊ/प्रयागराज

आज प्रयागराज (यमुनापार) करछना लकटहा मे 'Pslam Group कबड्डी खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 15से22 जनवरी तक होग भव्य खेल आयोजन में

डॉ. विजय यादव संचालक (मनराजी हॉस्पिटल वेदों) डॉ. अनील भारती (पार्वती हॉस्पिटल रामनगर) डॉ. अशोक भारती (ए.आर.एल पैथ केयर सेंटर वेदों) डॉ. जी. एस. यादव एच. एन. हॉस्पिटल , Sr. लैब टेक विनोद यादव को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया । फीता काटकर बच्चों का उत्साह बढ़ाने का काम किया पर गरिमामय स्वागत एवं सम्मान समारोह

आयोजित किए गए, जिससे आयोजन की भव्यता और गरिमा में विशेष वृद्धि हुई। डॉ. विजय यादव संचालक (मनराजी हॉस्पिटल वेदों)हर वक़्त बच्चों को आगे बढ़ाने के लिये अपना सहयोग योगदान रहता है अपने क्षेत्र मे हर असहाय लोगो का भी अपने तरफ से सहयोग रहता है मरीजों के लिये अपने क्षेत्र मे एम्बुलेंस कि सेवा निशुल्क सहयोग रहता है हॉस्पिटल मे भी असहाय लोगो का भी इलाज कम पैसो मे सहयोग रहता है इनका सहयोग हर समय क्षेत्र मे रहता है इनसे बहुत अधिक प्रभावित रहते है क्षेत्र के लोग

उक्त खेल महोत्सव का सफल आयोजन

आयोजक मंडल — पुष्पेंद्र यादव, मनीष यादव एवं अतुल यादव ये सभी लोग हर क्षेत्र मे आगे बच्चों का सहयोग करते रहते है आज इनके कुशल नेतृत्व एवं समर्पण का परिणाम रहा।

मकर संक्रांति पर ग्राम प्रधान कनगवां सुनीता देवी का 4वां विशाल खिचड़ी भंडारा भव्य रूप से संपन्न

विधायक विवेक वर्मा , आयुष मिश्रा सहित सैकड़ों लोग शामिल

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले के विकासखंड बीसलपुर की ग्राम पंचायत कनगवां की प्रधान सुनीता देवी द्वारा आयोजित चौथा विशाल भंडारा खिचड़ी भोज 14 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कामधाट बेनीपुर मंदिर प्रांगण में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण छाया रहा, जहां सैकड़ों ग्रामवासी, क्षेत्रवासी और श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। भंडारे में ताजा तैयार स्वादिष्ट खिचड़ी, चटनी, अचार और अन्य प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे ग्रहण करने वालों ने खूब सराहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक विवेक वर्मा जी वआयुष मिश्रा जी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की शुरूआत कर प्रधान सुनीता देवी और उनकी टीम को बधाई दी। इसके अलावा क्षेत्र के अनेक

गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, पंचायत सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय निवासी भी शिरकत करने पहुंचे। विधायक श्री वर्मा ने संबोधन में कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजन ग्रामीण स्तर पर एकता और भाईचारे को मजबूत करते हैं, तथा ग्राम विकास के लिए प्रधान द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।आयोजन का संचालन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री शेखर शुक्ला ने किया, जो अखिल भारत हिंदू महासभा के नगर महासचिव भी हैं। श्री शेखरशुक्ला सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहते हैं और गांव के विकास, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं में सक्रिय योगदान देते हैं। उन्होंने सभी सम्मानित अतिथियों, ग्रामवासियों, सेवादारों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। ग्रामवासियों ने बताया कि प्रधान प्रतिनिधि श्री शुक्ला द्वारा कराए गए कार्यों, विशेषकर इस विशाल खिचड़ी भंडारे की खूब प्रशंसा की जा रही है। बड़ी संख्या में लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने पहुंचे और प्रसाद ग्रहण कर संतुष्टि जाहिर की।मकर संक्रांति के इस पावन अवसर पर आयोजित भंडारे की लोगों ने प्रशंसा की , बल्कि सामुदायिक सद्भाव को भी बढ़ावा दिया। स्थानीय लोगों ने इसे ग्राम पंचायत की एक सकारात्मक पहल बताते हुए भविष्य में ऐसे और आयोजनों की अपेक्षा जताई। आयोजन की सफलता में सेवादारों, महिला मंडली और युवाओं का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बरखेड़ा। नगर पंचायत बरखेड़ा के अध्यक्ष के आवास पर कथित रूप से अवैध रूप से संचालित ममता क्लिनिक का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर की गई शिकायत के आधार पर स्वास्थ्य व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर छापेमारी की कार्रवाई की।

कस्बा बरखेड़ा निवासी विमलेश कुमार द्वारा की गई शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नगर पंचायत अध्यक्ष के आवास में बिना किसी वैध पंजीकरण और अनुमति के चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश गंगवार के नेतृत्व में टीम ने चेयरमैन के आवास पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान क्लीनिक से जुड़े कई महत्वपूर्ण अभिलेख मौके से बरामद हुए, जिन्हें जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश गंगवार ने बताया कि आईजीआरएस पोर्टल पर अवैध क्लीनिक संचालन की शिकायत प्राप्त हुई थी। प्रथम दृष्टया जांच में कई दस्तावेज मिले हैं, जिनकी वैधता की गहन जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी के दौरान राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार वीरपाल तथा कस्बा लेखपाल भी मौजूद रहे। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय स्तर पर चचाओं का बाजार गर्म है और लोग पूरे मामले में निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

स्वामी प्रमोदानंद महाराज ने भगवान शिव एव पार्वती विवाह की कथा सुनाते हुए भक्तो को शिवभक्ति मे कर दिया विभोर

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। कस्बा मसौली स्थित बाबा राम सरन दास भगवत दास हनुमान मंदिर पर चल रहे विराट रुद्र महायज्ञ के बारहवे दिन यज्ञ सम्राट स्वामी प्रमोदानंद महराज ने भगवान शिव एव पार्वती विवाह की कथा सुनाते हुए भक्तो को शिवभक्ति मे विभोर कर दिया।

शिव पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाते हुए स्वामी प्रमोदानंद महराज ने कहा कि पर्वतराज हिमालय की घोर तपस्या के बाद माता जगदंबा प्रकट हुईं और उन्हें बेटी के रूप में उनके घर में अवतरित होने का वरदान दिया। इसके बाद माता पार्वती हिमालय के घर अवतरित हुईं। बेटी के बड़ी होने पर पर्वतराज को उनकी शादी की चिंता सताने लगी। माता पार्वती बचपन से ही बाबा भोलेनाथ की अनन्य भक्त थीं। एक दिन पर्वतराज के घर महर्षि नारद पधारे और उन्होंने भगवान भोलेनाथ के साथ पार्वती के विवाह का संयोग बताया। नंदी पर सवार भोलेनाथ जब भूत-पिशाचों के साथ बारात लेकर पहुंचे तो उसे देखकर पर्वतराज और उनके परिजन चौंक गए, बरात में सबसे पहले वहां ब्रह्माजी आते हैं, तो नारद से पूछा जाता है कि क्या ये लड़की के पिता है, तो नारद जी कहते है कि ये लड़की के पिता नहीं हैं यह तो ब्रह्म पिता है। वहां विष्णुजी आते हैं, तो पूछा जाता है कि क्या ये दूल्हा है तो नारदजी कहते हैं कि नहीं दूल्हे तो पीछे आ रहे हैं। इसके बाद वहां वरुण देव आते हैं, तो नारद जी कहते है कि इनके पीछे शिव भगवान आ रहे हैं। शंकर भगवान नंदी पर सवार होकर आते है। गले में सर्प, मुंडो की माला, जटाओं में गंगा तथा सिर पर चंद्रमा विराजमान है। शिवजी का ऐसा रूप देखकर माता पार्वती की मा मैना डर जाती है तथा आरती का थाल छूट कर नीचे गिर जाता है। नारदजी कहते हैं कि भगवान कितने भोले हैं। आरती के थाल में रखा दीपक लज्जित होकर भगवान शिव के चरणों में गिर गया। शिव की सिर पर पहले से ही चंद्रमा विराजमान है। इस दौरान कथा वाचिका ने भगवान के 24 अवतारों के बारे में विस्तार से बखान किया।

इस मौके पर मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास सहित भक्तगन मौजूद रहे।

बिजली बिल राहत योजना का दूसरा चरण जारी, 31 जनवरी तक पाएं 100% ब्याज माफी और मूलधन पर 20% छूट

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर, उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड की 'बिजली बिल राहत योजना' के प्रथम चरण में लाभ न ले पाने वाले उपभोक्ताओं के लिए सुनहरा अवसर लाया गया है। बीसलपुर बिजली विभाग ने द्वितीय चरण की घोषणा की है, जो 31 जनवरी 2026 तक चलेगा। घरेलू और दुकानदार उपभोक्ता बकाया बिलों पर भारी छूट का लाभ उठा सकते हैं।

1 श्रेणी के घरेलू उपभोक्ताओं (अधिकतम 2 किलोवाट) और 2 श्रेणी के दुकानदार उपभोक्ताओं (1 किलोवाट) के लिए

यह योजना विशेष रूप से उपयोगी है। योजना के तहत निम्नलिखित राहत दी जा रही है:बकाया बिल पर 100% ब्याज माफी।मूलधन में 20% तक की छूट।बिजली चोरी के सभी प्रकार के प्रकरणों में राजस्व निर्धारण पर 45% तक छूट और मुकदमों से पूर्ण छुटकारा।विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि देर न करें और आज ही नजदीकी बिजली विभाग कार्यालय में पंजीकरण कराएं। यह योजना बकाया वसूली को आसान बनाने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। अधिक जानकारी के लिए बीसलपुर बिजली विभाग से संपर्क करें।

पीलीभीत के बीसलपुर में 18 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन, सनातन धर्म की एकता पर जोर

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बीसलपुर शिव सरोवर हिन्दू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन हिन्दू जागरण को नई ऊर्जा प्रदान करने के लिए सर्व हिन्दू समाज द्वारा संचालित होगा। समिति ने सभी प्रमुख व्यक्तियों को सपरिवार आमंत्रित

किया है।कार्यक्रम एस.आर.एम. इण्टर कॉलेज प्रांगण, बीसलपुर (पीलीभीत) में 18 जनवरी 2026 (रविवार) को दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। इसमें वैदिक यज्ञ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वक्ताओं के उद्बोधन, भारत माता की आरती एवं प्रसाद वितरण शामिल रहेगा।समिति का कहना है कि इस सम्मेलन से समाज में नई चेतना का संचार होगा तथा आपकी उपस्थिति आयोजन की गरिमा बढ़ाएगी। स्थानीय स्तर पर यह कार्यक्रम हिन्दू एकता को प्रोत्साहित करने वाला साबित होगा।

लखनऊ की महिला इंजीनियर की सऊदी अरब में संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का आरोप

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र की रहने वाली 26 वर्षीय महिला इंजीनियर ऐमन खान की सऊदी अरब के जेद्दा में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। 13 जनवरी को शव लखनऊ लाया गया। शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद पिता शेर अली ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए पति और ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार ऐमन की शादी अप्रैल 2025 में रायबरेली निवासी इंजीनियर आमिर खान से हुई थी। शादी में सोना, कार और अन्य सामान दिया गया था इसके बावजूद 20 लाख रुपये की अतिरिक्त

दहेज मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। ऐमन 5 महीने की गर्भवती थी। भाई साहिल और शाहनवाज ने बताया कि 17 दिसंबर को ऐमन ने कॉल कर प्रताड़ना की जानकारी दी थी। 18 दिसंबर को संपर्क टूट गया और बाद में मौत की सूचना मिली। सऊदी में पति ने मौत को आत्महत्या बताने की कोशिश की और शव को वहीं दफनाने का दबाव बनाया। 27 दिन की कानूनी प्रक्रिया के बाद शव भारत लाया गया। लखनऊ में पोस्टमॉर्टम कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

40 वर्षीय युवक ने बीती रात्रि फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। गांव के बाहर आहाता बनाकर परिवार के साथ रह रहे एक 40 वर्षीय युवक ने बीती रात्रि फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्बर बजहा निवासी 40 वर्षीय

कुलदीप उर्फ दीपू पुत्र बाबादीन गांव के बाहर आहाता बनाकर परिवार के साथ रहते है बीती रात्रि कुलदीप ने अज्ञात कारणों के चलते घर मे ही रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मृतक के एक 16 वर्षीय पुत्र घनश्याम व 14 वर्षीय पुत्री शिवांशी है भोर मे जानकारी होते ही गाँव एव घर मे कोहराम मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

डिप्टी रेंजर के पद पर पदोन्नति मिलने पर विभागीय अधिकारियों ने किया सम्मानित

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। वन रेंज बाराबंकी मे तैनात वन दरोगा दीपक कुमार गौर को डिप्टी रेंजर के पद पर पदोन्नति मिलने पर विभागीय अधिकारियों ने उन्हें सम्मानित किया। डी एफ ओ एव एस डी ओ ने स्टार लगाकर सम्मानित किया।

सितंबर 2015 मे फतेहपुर बाराबंकी रेंज से वन दरोगा पद से सेवाकाल की शुरूआत करने वाले दीपक कुमार गौर को विगत दिनों डिप्टी रेंजर पद पर पदोन्नति दी गयी है शुक्रवार को जिला वन प्रभागीय अधिकारी आकाश दीप बाधवान, एस डी ओ अवधेश कुमार वर्मा ने स्टार लगाकर सम्मानित किया। तथा

विभागीय अधिकारियों एव कर्मचारियों ने डिप्टी रेंजर दीपक कुमार गौर को बधाई दी।

मुंबई से पुणे तक भगवा का परचम, भाजपा के लिए निकले ये शुभ संकेत

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव नतीजों से प्रदेश की राजनीति के लिए कई संकेत निकले हैं। निकाय चुनाव के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि बीजेपी अब राज्य में निर्विवाद सबसे बड़ी पार्टी है। इसके साथ ही मुंबई समेत शहरों की सत्ता के समीकरण भी बदल गए हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) में भारतीय जनता पार्टी (BJP) की धमाकेदार जीत ने ठाकरे परिवार की बादशाहत को खत्म कर दिया। यह संदेश दे दिया है कि शहरी महाराष्ट्र की राजनीति अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है।

BMC नतीजों के साथ मुंबई में बीजेपी युग की शुरूआत

बीएमसी समेत कई नगर निगमों में बीजेपी का प्रदर्शन स्पष्ट संदेश है कि पार्टी अब महाराष्ट्र में निर्विवाद रूप से नंबर-1 राजनीतिक ताकत है। 'हिंदुत्व और विकास' के कॉम्बिनेशन के साथ-साथ 'डबल इंजन' से आगे बढ़कर अब 'ट्रिपल इंजन सरकार' का नैरेटिव शहरी मतदाताओं के बीच मजबूत होता दिख रहा है।

बीजेपी के लिए कई संकेत

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस चुनाव के निर्विवाद नायक के रूप में सामने आए हैं। उन्होंने खुद को राज्य के सबसे प्रभावशाली नेता के तौर पर स्थापित किया है।

- बीजेपी को सबसे बड़ा फायदा बिखरे हुए विपक्ष से मिला है। महाविकास आघाड़ी में स्पष्ट नेतृत्व की कमी और आपसी खींचतान ने बीजेपी के लिए राह आसान कर दी।

- यह भी स्पष्ट हो गया कि संघ और बीजेपी की ताकत अब अजेय होती जा रही है। विधानसभा चुनाव के बाद निकाय चुनाव इस पर मुहर लगाते हैं।

- इसके साथ ही महिला-केंद्रित योजनाएं एक बार फिर चुनावी गेमचेंजर साबित हुईं और पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में सफल रहीं।

- बीजेपी ने स्पष्ट कर दिया है कि शहरी क्षेत्र में उसकी संगठन क्षमता और नेतृत्व निर्णायक मजबूती के साथ बरकरार है। इन नतीजों का असर दूसरे राज्यों तक देखने को मिल सकता है। बीजेपी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है।